>

Title: Need to implement various railway projects in the state of Bihar.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): महोदय, मैं भारत सरकार के रेल मंत्रालय का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि वर्ष 1977 में जब मैं लोक सभा का सदस्य बना था, तब से इस बात को उठाता रहा हूं, योजना में शामिल भी हो गये, कुछ पैसे भी दिये गये, जमीन के रेखांकन का काम शुरु हुआ लेकिन वह अनंतकाल तक या कब तक चलेगा, कहा नहीं जा सकता है।

मुजफ्फरपुर से दरभंगा रेल लाइन का सब कुछ बना पड़ा हुआ है, कुछ पैसे भी दिये गये, वह शीघ्र से शीघ्र पूरा किया जाए, जिससे जो हमें बहुत लम्बा घूमना पड़ता है, वह नहीं पड़ेगा और दूरी कम हो जाएगी।

सीतामढ़ी से जयनगर और जयनगर से निर्मली नेपाल के किनारे-किनारे रेल लाइन है। यह रेल लाइन अगर बन जाती है तो दिल्ली से गुहावटी का सबसे सीमा के किनारे शोर्ट-रुट बनेगा और सबसे कम समय में लोग वहां जाएंगे। रक्षा के दृष्टिकोण और सीमा की सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी बढ़िया होगा। इसीलिए उस पर तुंत कार्रवाई करके ज्यादा पैसा दिया जाए, उसका सर्वेक्षण कराकर निर्माण में हाथ लगा दिया जाए। इस रेल लाइन को तुंत पूरा कर दिया जाए, जिससे दिल्ली-गोरखपुर वाया सीतामढ़ी से वहां की लाइन सीधा जुड़ जाए।